MA Hind. oct 2016

Seat Number

HI-1110 :

कथा साहित्य (उपन्यास, नाटक, कहानी)

(110510)

P. Pages : 2

Time : Three Hours **Max. Marks : 60**

सूचनाएँ :-

1. प्रश्न पुस्तिकापर आसन क्रमांक के अलावा कुछ ना लिखे।
2. ग्राफ या आकृती निकालने के लिए पेपर छुडाते वक्त काले स्याही का पेन अथवा काली एच्.बी. पेन्सील का हीं उपयोग किजिए।
3. अतिरिक्त पुरवनी नहिं दी जाएगी इस बात का विद्यार्थी ध्यान रखें।
4. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
5. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

1. 'डूब' उपन्यास में भारतीय समाज, राजनीति और प्रशासनिक व्यवस्था की सटिक व्याख्या हुई है। इस बात को स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

'डूब' आँचलिक पृष्ठभूमि पर लिखी सशक्त रचना है। समझाइए।

2. 'बाढ का पानी' नाटक के 'नवल' पर नायकत्व की दृष्टि से प्रकाश डालिए। 12

अथवा

'बाढ का पानी' नाटक के कथ्य विषय को सविस्तार समझाइए।

3. टिप्पणियाँ लिखिए : 12

अ) 'डूब' में दलित चेतना प्रसंग

अथवा

दीपू - सावितरी प्रेम और माते का न्याय

आ) 'बाढ का पानी' नाटक का उद्देश्य

अथवा

'बाढ का पानी' के ठाकुर और पंडित

10001 M.J. COLLEGE, JALGAON 11/28/2016 10:41:27 AM

4. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए । 12

अ) "बडा बेटा है, फिर कोई बुरा काम करने की तो जिद कर नहीं रहा है। जब साव के बच्चों के पढने से अनीति नहीं हुई तो हमारे बेटे के पढने से कैसे हो सकेगी? ------।"

अथवा

"नहीं लाला, छल - बल से पाया संग - साथ पाप होता है। मन से अपनाया संग - साथ ही तो सच्चा आनंद है गुइयाँ।"

आ) "-------- अब मैं समझ गया हूँ कि आदमी अच्छा और बुरा जन्म के कारण नहीं होता । वह अपने कर्मो से ही अच्छा बुरा होता है ------।"

अथवा

"पंडित, एक इससे भी भयानक बाढ हमारे देश को घेर रही है। यह है आपसी फूट की। सांप्रदायिकता की । अनुशासन-हीनता की । स्वार्थ की और हिंसा की ------ ।"

5. निम्नलिखित में से **किन्ही दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए । 12

क) लालपान की बेगम कहानी के संवाद ।

ख) 'वापसी' में चित्रीत समस्या ।

ग) गुलकी बन्नो कहानी का कथ्य ।

****

100001 M.J. COLLEGE, JALGAON 11/28/2016 10:41:27 AM
100001 M.J. COLLEGE, JALGAON 11/28/2016 10:41:27

Seat Number

सुवास - 003

* 3 3 2 4 *

HI-2310

महाकाव्य व खंडकाव्य

(230510)

P. Pages : 2

Time : Three Hours **Max. Marks : 60**

सूचनाएँ :-

1. प्रश्न पुस्तिकापर आसन क्रमांक के अलावा कुछ ना लिखे ।
2. ग्राफ या आकृती निकालने के लिए पेपर छुडाते वक्त काले स्याही का पेन अथवा काली एच्.बी. पेन्सील का ही उपयोग किजिए।
3. अतिरिक्त पुरवनी नहिं दी जाएगी इस बात का विद्यार्थी ध्यान रखें ।
4. सभी प्रश्न अनिवार्य है ।
5. सभी प्रनों के लिए समान अंक है।

1. 'उर्मिला के विरह वर्णन में गुप्त जी ने प्राचीन और नवीन शैली का संमिश्रण किया है ।' सप्रमाण सिध्द कीजिए ।

अथवा

'मैथिलीशरण गुप्त भारतीय संस्कृति के अमर गायक है।' साकेत के आधार पर सिध्द कीजिए ।

2. "कनुप्रिया' का मुख्य प्रतिपाद प्रेम भावना है ।' स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

कनुप्रिया की भाषागत विशेषताओं को सोदाहरण निरूपित कीजिए ।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए ।

अ) कैकेयी के पश्चाताप पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

साकेत के शिल्प पक्ष को विशद कीजिए ।

आ) कनुप्रिया में युगीन समस्याओं का निरूपण हुआ है । स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

कनुप्रिया में अभिव्यक्त सौंदर्य चेतना का विवेचन कीजिए ।

10001 M.J. COLLEGE, JALGAON 11/29/2016 9:40:01 AM

4. निम्नलिखित अवतरणों की ससदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) निरख सखी, ये खंजन आये,
फेरे उन मेरे रंजन मे नसन इधर मन माये !
फैला उनके तन का आतप,मन ये सर सरसाये,
घूमें वे इस ओर वहाँ, ये हंस यहाँ, उड़ छायें !
करके ध्यान आज इस जन का निश्चय वे मुसकाये,
फूल उठे हैं कमल, अधर-से ये बन्धूक सुहाये !

अथवा

मुझे फूल मत मारो,
मैं अबला बाला वियोगिनी, कुछ तो दया विचारो ।
होकर मधु के मीत मदन, पहु तुम कटु, गरल न गारो,
मुझे विकलता, तुम्हे विफलता, ठहरो, श्रम परिहारो ।
नहीं भोगिनी यह मैं कोई, जो तुम जाल पसारो,
बन हो तो सिन्दूर-बिन्दु यह-यह हरनेत्र निहारो !

ख) यह पछतावा जब मुझे हर क्षण
सालता रहता है कि
मैं उस रास की रात तुम्हारे पास से लौट क्यों आयी ?
जो चरण तुम्हारे वेणुवादन की लय पर
तुम्हारे नील जलन तन की परिक्रमा देकर नाचते रहे
वे फिर घर की ओर उठ कैसे पाये
मैं उस दिन लौटी क्यों -

अथवा

कर्म, स्वधर्म, निर्णय, दायित्व----
मैंने भी गली-गली सुने हैं ये शब्द
अर्जुन ने इनमें चाहे कुछ भी पाया हो,
मैं इन्हें सुनकर कुछ भी नहीं पाती प्रिय,
सिर्फ राह में ठिठककर
तुम्हारे उन अधरों की कल्पना करती हूँ
जिनसे तुमने ये शब्द पहली बार कहे होंगे ।

5. निम्नलिखित में से किन्ही दो पर टिप्पणियां लिखिए-
1) महात्मा गांधी की बाल सुलभ जिज्ञासाएँ ।
2) विश्व-ज्योति बापू का शिल्पपक्ष ।
3) कस्तूरीबाई ।

****

100001 M.J. COLLEGE, JALGAON 11/29/2016 9:40:01 AM

3

सुवास - 004

Seat Number

* 3 3 2 5 *

HI-2410
काव्य नाटक, नई कविता और गजल
(240510)

P. Pages : 2

Time : Three Hours **Max. Marks : 60**

सूचनाएँ :-

1. प्रश्न पुस्तिकापर आसन क्रमांक के अलावा कुछ ना लिखे ।
2. ग्राफ या आकृती निकालने के लिए पेपर छुडाते वक्त काले स्याही का पेन अथवा काली एच्.बी. पेन्सील का हीं उपयोग किजिए।
3. अतिरिक्त पुरवनी नहिं दी जाएगी इस बात का विद्यार्थी ध्यान रखें ।
4. सभी प्रश्नों के लिए रामान अंक हैं।
5. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'एक कंठ विषपायी' की कथ्यगत विशेषताओं को निरूपित कीजिए।

अथवा

'एक कंठ विषपायी' के प्रमुख पागों का चरित्र चित्रण कीजिए।

2. पठित कविताओं के आधार पर शमशेर बहादुर सिंह की काव्यगत विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

'गिरिजाकुमार माथुर ने 'असिध्द् की व्यथा' के माध्यम से वर्तमान मनुष्य के जीवन को व्यक्त किया है।' स्पष्ट कीजिए।

3. 'गिरिराजशरण अग्रवाल की गज़लें सामाजिकता से सम्पृक्त हैं' सोदाहरण विवेचन कीजिए।

अथवा

गिरिराजशरण अग्रवाल की गज़लों की काव्यकला को सोदाहरण निरूपित कीजिए।

4. निम्नलिखित में से **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

अ) 'एक कंठ विषपायी' के शिल्प विधान को बताइए।

आ) 'नदी के द्वीप' की प्रतीकात्मकता सिध्द् कीजिए।

इ) 'गिरिराजशरण अग्रवाल की गज़लों में आशा-निराशा का रचर मुखरित हुआ है' स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्ही दो की संसदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) यों भूखा होना
कोई बुरी बात नहीं है,
दुनिया में सब भूखे होते हैं
सब भूखे ----------
कोई अधिकार और लिप्सा का,
कोई प्रतिष्ठा का,
कोई आदर्शों का,
और कोई धन का भूखा होता है -----
ऐसे लोग अहिंसक कहाते हैं
मांस नहीं खाते
मुद्रा खाते हैं ---------।

ख) हमने तो भविष्य
पहले कह रखा था कि ----
केंचुली उतारता साँप दब जाएगा अकस्मान।
हमने तो भविष्य पहले ही कह रखा था।
लेकिन अनसुनी की लोगों ने ।।

ग) रूक के मत बैठो सफ़र का सिलसिला पैदा करो
गर नहीं हो रास्ता तो रास्ता पैदा करो।
जिंदगी कहते हैं जिसको, मौज है संघर्ष है
एक दरिया पार हो तो दूसरा पैदा करो।

****

Seat Number

* 3 3 2 6 *

HI-1120

आदिकाल एवं भक्तिकालिन काव्य

(110520)

P. Pages : 2

Time : Three Hours **Max. Marks : 60**

सूचनाएँ :-

1. प्रश्न पुस्तिकापर आसन क्रमांक के अलावा कुछ ना लिखे ।
2. ग्राफ या आकृती निकालने के लिए पेपर छुडाते वक्त काले स्याही का पेन अथवा काली एच्.बी. पेन्सील का हीं उपयोग किजिए।
3. अतिरिक्त पुरवनी नहिं दी जाएगी इस बात का विद्यार्थी ध्यान रखें ।
4. सभी प्रश्न अनिवार्य है ।
5. सभी प्रश्नों को समान अंक है ।

1. विद्यापति भक्त या श्रृंगारी कवि है ? विवेचन कीजिए । 12

अथवा

'विद्यापति को सौंदर्य चित्रण मे अधिक सफलता मिली है ।' सिध्द कीजिए ।

2. 'कबीर कांतिदर्शी विचारक थे।' विशद कीजिए । 12

अथवा

कबीर के दार्शनिक विचारो पर प्रकाश डालिए ।

3. पदमावत के महाकाव्यत्व को सप्रमाण सिध्द कीजिए । 12

अथवा

नागमती का वियोग वर्णन पद्मावत का सर्वाधिक उज्वल प्रसंग है।' सिध्द कीजिए ।

4. निम्नलिखित मे से **किन्ही दो** टिप्पणियाँ लिखिए । 12

1) विद्यापति की काव्यकला

2) कबीर की भक्ति भावना.

3) जायसी का रूप सौंदर्य चित्रण.

10001 M.J. COLLEGE, JALGAON 11/30/2016 9:53:35 AM

5. निम्नलिखित अवतरणों मे से **किन्ही दो** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए ।

1) नन्दक नन्दन कदम्लक तरू-तर
धिरे-धिरे मुरलि बजाव
समय संकेत-निकेतन बइसल
बेरि-बेरि बोलि पठाव ।

2) हम न मरैं महि हैं संसारा,
हम कूँ मिल्या जियावन हारा
हरि मरि हैं तो हम हूँ मरि हैं, हरि न मरैं हँम काहे कूँ मरि हैं ।
कहै कबीर मन मन हि मिलवा, अमर भये सुख सागर पाव ।

3) पिऊ बियोग अस बाउर जीऊ । पपिहा नस बोलै पिउ पीऊ
अधिक काम दगधै सो रामा । हरि जिउ लै सो गएक पिय नामा
बिरह बान नस लाग ने डोली । रकत पसीज भीजि तन चोली
सखि हिय हेरि हार मैन मारी । हहरि परान तजै अण नारी ।

****

100001 M.J. COLLEGE, JALGAON 11/30/2016 9:53:35 AM
100001 M.J. COLLEGE, JALGAON 11/30/2016 9:53:35 AM

Seat Number

सुवास - 007

* 3 3 2 8 *

HI-2320

भाषा विज्ञान

(230520)

P. Pages : 2
Time : Three Hours

Max. Marks : 60

सूचनाएँ :-

1. प्रश्न पुस्तिकापर आसन क्रमांक के अलावा कुछ ना लिखे ।
2. ग्राफ या आकृती निकालने के लिए पेपर छुडाते वक्त काले स्याही का पेन अथवा काली एच्.बी. पेन्सील का ही उपयोग किजिए ।
3. अतिरिक्त पुरवनी नहिं दी जाएगी इस बात का विद्यार्थी ध्यान रखें ।
4. सभी प्रश्न अनिवार्य है ।
5. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है ।

1. भाषा विज्ञान के अध्ययन के परंपरागत स्वरुप पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

स्वन परिवर्तन की दिशाओं को सोदाहरण बताइए ।

2. भाषा विज्ञान की उपशाखाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

अथवा

रुपिम का स्वरुप बताते हुए रुपिम के भेदों का विवेचन कीजिए ।

3. वाक्य के स्वरुप को स्पष्ट करते हुए अभिहितान्वयवाद और अन्वितामिधानवाद को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

शब्द और अर्थ का संबंध बताते हुए अर्थ परिवर्तन के कारणों की चर्चा कीजिए ।

4. स्वर और व्यंजन के अंतर को स्पष्ट करते हुए स्थान के आधार पर व्यंजनो का वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए ।

अथवा

वाक्य की परिभाषा देते हुए वाक्य के भेदों का सोदाहरण स्पष्टीकरण कीजिए ।

100001 M.J. COLLEGE, JALGAON 12/1/2018 9:08:08 AM

5. सही पर्याय चुनकर एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1) निम्नलिखित में से कौनसी ध्वनि पार्श्विक है?

अ) ल ब) व

क) श ड) प

2) 'वाक्य पदीय' के रचनाकार कौन है?

अ) भर्तृहरि ब) विश्वनाथ

क) मम्मट ड) पाणिनि

3) संबंध तत्व से युक्त अर्थ तत्व को क्या कहा जाता है?

अ) रुपिम ब) रुप

क) संरुप ड) पदग्राम

4) अभिहितान्वयवाद के प्रवर्तक कौन है?

अ) कुमारिल भट्ट ब) प्रभाकर गुरु

क) पाणिनि ड) इनमें से काई नहीं

5) वाक्य गठन के आधार पर 'जब मैने उन्हें देखा तब तक वे निकल चुके थे' यह वाक्य किस श्रेणी में आता है?

अ) सरल वाक्य ब) मिश्र वाक्य

क) संदेह वाक्य ड) संयुक्त वाक्य

6) 'मृग' शब्द अर्थ परिवर्तन की किस दिशा का उदाहरण है?

अ) अर्थ विस्तार ब) अर्थ संकोच

क) अर्थादेश ड) अर्थोत्कर्ष

****

100001 M.J. COLLEGE, JALGAON 12/1/2016 9:08:08 AM

Seat Number

* 3 3 2 9 *

HI-2420
हिंदी भाषा
(240520)

P. Pages : 1

Time : Three Hours

Max. Marks : 60

सूचनाएँ :-
1. प्रश्न पुस्तिकापर आसन क्रमांक के अलावा कुछ ना लिखे ।
2. ग्राफ या आकृती निकालने के लिए पेपर छुडाते वक्त काले स्याही का पेन अथवा काली एच्.बी. पेन्सील का हीं उपयोग किजिए।
3. अतिरिक्त पुरवनी नहिं दी जाएगी इस बात का विद्यार्थी ध्यान रखें ।
4. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
5. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

1. प्राचीन भारतीय अर्यभाषाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

अथवा

हिन्ही की बोलियों का संक्षेप में विवेचन कीजिए।

2. अवधी का साहित्यिक एवं भाषावैज्ञानिक स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हिन्दी शब्द निर्माण में उपसर्गों का योगदान सोदाहरण बताइए।

3. हिंदी भाषा के व्याकरण को समझाइए।

अथवा

हिन्दी के वचन लिंग, और सर्वनाम रचना को विशद कीजिए।

4. देवनागरी लिपि की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

देवनागरी लिपि का मानक रूप लिखिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

1) प्राकृत
2) दक्खीनी हिन्दी
3) प्रत्यय

****

100001 M.J. COLLEGE, JALGAON 12/1/2016 12:57:07 PM

Seat Number

HI-1130

भारतीय काव्यशास्त्र के सिध्दांत एवं आलोचना

(110530)

P. Pages : 2

Time : Three Hours

Max. Marks : 60

सूचनाएँ :-

1. प्रश्न पुस्तिकापर आसन क्रमांक के अलावा कुछ ना लिखे ।
2. ग्राफ या आकृती निकालने के लिए पेपर छुडाते वक्त काले स्याही का पेन अथवा काली एच्.बी. पेन्सील का हीं उपयोग किजिए।
3. अतिरिक्त पुरवनी नहिं दी जाएगी इस बात का विद्यार्थी ध्यान रखें ।
4. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
5. सभी प्रश्नों को समान अंक है।

1. भरतमुनि के रससूत्र को स्पष्ट करते हुए शंकुक की व्याख्या स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

'रीतिरात्मा काव्यस्य' के आलोक मे रीति सिध्दांत की समीक्षा कीजिए।

2. अलंकार का स्वरूप स्पष्ट करते हुए काव्य मे अलंकार के महत्व पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

वक्रोक्ति की परिभाषा देते हुए वक्रोक्ति के भेदो को समझाइए।

3. औचित्य सिध्दांत को स्पष्ट कर काव्य मे औचित्य का महत्व स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

ध्वनि की व्याख्या देते हुए उसके भेदों का परिचय दीजिए।

4. आलोचना का स्वरूप स्पष्ट करते हुए आलोचक के गुणों पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

तुलनात्मक और प्रगतिवादी आलोचना का परिचय दीजिए।

100001 M.J. COLLEGE, JALGAON 12/2/2016 9:51:55 AM
100001 M.J. COLLEGE, JALGAON 12/2/2016 9:51:55 AM

5. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए। 12.

1) आचार्य भामह ने अलंकारों की जननी किसे माना है?
अ) ध्वनि आ) वकोक्ति
इ) रीति

2) वकोक्ति सिध्दांत के प्रवर्तक कौन है?
अ) आचार्य कुंतक आ) आ. भामह
इ) आ. क्षेमेंद्र

3) 'काव्यालंकार सूत्र' ग्रंथ के रचनाकार कौन है?
अ) आचार्य भामह आ) आचार्य वामन
इ) आचार्य कुंतक

4) औचित्य सिध्द्ांत के प्रवर्तक कौन है?
अ) आचार्य क्षेमेंद्र आ) आचार्य वामन
इ) आचार्य विश्वनाथ

5) 'नाट्यशास्त्र' ग्रंथ के रचनाकार कौन है?
अ) आचार्य विश्वनाथ आ) आचार्य भरतमुनि
इ) आचार्य भामह

6) ध्वनि सिध्द्ांत का मूल आधार किसे माना गया है?
अ) स्फोट सिध्द्ांत आ) रीति सिध्द्ांत
इ) अलंकार सिध्द्ांत

****

100001 M.J. COLLEGE, JALGAON 12/2/2016 9:51:55 AM
100001 M.J. COLLEGE, JALGAON 12/2/2016 9:51:55 AM

सुवास - 010

Seat Number

HI-1230

पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिध्दांत तथा वाद

(120530)

P. Pages : 2
Time : Three Hours **Max. Marks : 60**

सूचनाएँ :-

1. प्रश्न पुस्तिकापर आसन क्रमांक के अलावा कुछ ना लिखे ।
2. ग्राफ या आकृती निकालने के लिए पेपर छुडाते वक्त काले स्याही का पेन अथवा काली एच्.बी. पेन्सील का ही उपयोग किजिए।
3. अतिरिक्त पुरवनी नहिं दी जाएगी इस बात का विद्यार्थी ध्यान रखें ।
4. सभी प्रश्न अनिवार्य है ।
5. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है ।

1. प्लेटो आदर्श राज्य से कवि और काव्य को बहिष्कृत करते है - अनुकरण के संदर्भ में मत को प्रस्तुत कीजिए ।

अथवा

अरस्तु ने 'विरेचन' के द्वारा प्लेटो द्वारा फैलाए गए वाक्य विषयक भ्रम का खंडन किया कथन की समीक्षा कीजिए ।

2. लॉगिनुस द्वारा प्रतिपादित उदात्त के बहिरंग तत्वों का परिचय दीजिए ।

अथवा

अभिव्यंजना विषयक प्रक्रिया संक्षेप में समझाइए ।

3. टी.एस. इलियट द्वारा प्रतिपादित निर्वैयक्तिकतो सिध्दांत का विवेचन कीजिए ।

अथवा

आई.ए.रिचर्डस ने मनोवैज्ञानिके मुल्यवाद के माध्यम से मनोवेगों का संतुलन प्रस्तुत किया है - चर्चा कीजिए ।

4. कलावाद का परिचय दिजिए ।

अथवा

प्रतीकवाद की समीक्षा कीजिए ।

1000 M.J. COLLEGE, JALGAON 12/2/2018 1:57:33 PM

5. निम्नलिखित प्रश्नों के सही पर्याय चुनकर पुनः लिखिए ।

1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रथम आलोचक कौन है ?
   अ) अरस्तु ब) प्लेटो
   क) कोचे ड) होरेस

2) कला प्रकृति की अनुकृति है - किसने कहा है ?
   अ) अरस्तु ब) सुकरात
   क) प्लेटो ड) होमर

3) क्रोचे ने किस सिध्दांत का प्रवर्तन किया है ?
   अ) उदात्तता ब) विरेचन
   क) अभिव्यंजनवाद ड) बिम्ववाद

4) आई.ए.रिचर्डस के ग्रंथ का नाम बताइए ।
   अ) न्यू क्रिटिसिजम ब) प्रिसिंपल्स ऑफ लिटररी क्रिटीसिज्म
   क) लिरिकल बैलेडस ड) रिपब्लिक

5) वस्तुनिष्ठ समीकरण का सिध्दांत किसने प्रस्तुत किया है ?
   अ) कालरिज ब) रिचर्डस
   क) टी.एस. इलियट ड) प्राउस्ट

6) सरंचनावाद का मुल आधार क्या है ?
   अ) मनोविज्ञान ब) भाषाविज्ञान
   क) राजनीतिविज्ञान ड) मौसम विज्ञान

****

10000 M.J. COLLEGE, JALGAON 12/2/2016 1:57:33 PM

Seat Number

* 3 3 3 2 *

HI-2330 :

हिंदी साहित्य का आदि एवं मध्यकाल

(230530)

P. Pages : 1

Time : Three Hours **Max. Marks : 60**

सूचनाएँ :-

1. प्रश्न पुस्तिकापर आसन क्रमांक के अलावा कुछ ना लिखे ।
2. ग्राफ या आकृती निकालने के लिए पेपर छुडाते वक्त काले स्याही का पेन अथवा काली एच्.बी. पेन्सील का हीं उपयोग किजिए।
3. अतिरिक्त पुरवनी नहिं दी जाएगी इस बात का विद्यार्थी ध्यान रखें ।
4. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
5. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

1. आदिकाल की राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक एवं साहित्यिक परिस्थितियों को स्पष्ट कीजिए । 12

अथवा

नाथ साहित्य का परिचय और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए ।

2. ज्ञान मार्गीय शाखा का परिचय देते हुए कबीर के योगदान को स्पष्ट कीजिए । 12

अथवा

रामभक्ति शाखा के कवि तुलसीदास का परिचय दीजिए ।

3. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए । 12

अथवा

रीतिकाल के विविध नाम और उनके आधार को विशद कीजिए ।

4. निम्नलिखित में से **किन्ही दो** के उत्तर लिखिए । 12

   1) पृथ्वीराज रासो की कथ्यगत और शैलीगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

   2) सगुण भक्ति साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए ।

   3) रीतिकाल की सामाजिक, धार्मिक परिस्थितियों को विशद कीजिए ।

5. निम्नलिखित में से **किन्ही दो** पर टिप्पणी लिखिए । 12

   1) अमीर खुसरो ।

   2) जायसी ।

   3) भूषण ।

****

Seat Number

HI-2430

हिंदी साहित्य का आधुनिक काल

(240530)

P. Pages : 1

Time : Three Hours **Max. Marks : 80**

सूचनाएँ :-

1. प्रश्न पुस्तिकापर आसन क्रमांक के अलावा कुछ ना लिखे ।
2. ग्राफ या आकृती निकालने के लिए पेपर छुडाते वक्त काले स्याही का पेन अथवा काली एच्.बी. पेन्सील का हीं उपयोग किजिए।
3. अतिरिक्त पुरवनी नहिं दी जाएगी इस बात का विद्यार्थी ध्यान रखें ।
4. सभी प्रश्न अनिवार्य है ।
5. सभी प्रश्नों को समान अंक है ।

1. आधुनिक काल की राजनीतिक, आर्थिक तथा साहित्यिक परिस्थितियों को विशद कीजिए ।

अथवा

प्रेमचंद पूर्व तथा प्रेमचंद युग के उपन्यास विधा के विकास पर प्रकाश डालिए ।

2. कहानी विधा का विकास संक्षेप में बताइए ।

अथवा

निबंध विधा के विकास में आ. रामचंद्र शुक्लजी के योगदान को बताइए।

3. द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

छायावाद की प्रवृत्तियों को बताइए ।

4. प्रगतिवादी काव्य की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

हिंदी गज़ल के विकास में दुष्यंतकुमार के योगदान को बताइए ।

5. निम्नलिखित में से **किसी एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए ।

अ) प्रसाद युग को नाटक का विकास युग क्यों कहा जाता है ?

अथवा

भारतेंदुयुगीन निबंध का परिचय बताइए ।

आ) प्रयोगवाद के काव्य की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

राष्ट्रीय काव्यधारा में माखनलाल चतुर्वेदी का योगदान बताइए ।

****

100001 M.J. COLLEGE, JALGAON 12/3/2016 12:59:52 PM

3

C) हिंदी पत्रकारिता (230543)

Time : Three Hours **Max. Marks : 60**

सूचनाएँ :-
1. प्रश्न पुस्तिकापर आसन क्रमांक के अलावा कुछ ना लिखे ।
2. ग्राफ या आकृती निकालने के लिए पेपर छुडाते वक्त काले स्याही का पेन अथवा काली एच्.बी. पेन्सील का हीं उपयोग किजिए।
3. अतिरिक्त पुरवनी नहिं दी जाएगी इस बात का विद्यार्थी ध्यान रखें ।
4. कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
5. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. पत्रकारिता की परिभाषा, स्वरूप तथा विविध माध्यमों को बताइए।

अथवा

पत्रकार के लिए कौनसे गुण होने चाहिए।

2. स्वांतत्र्योत्तर युगीन पत्रकारिता के विकास पर प्रकाश डालिए।

अथवा

साहित्यिक पत्रकारिता केविकास को बताइए।

3. "आज की पत्रकारिता में मिशन भाव की अपेक्षा व्यावसायिकता अधिक है।" कथन की युक्तियुक्त चर्चा कीजिए।

अथवा

प्रेस आयोग ने पत्रकार के सेवा की किन शर्तों का प्रावधान बताया है।

4. निम्नलिखित में से किन्ही दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।
   1) पत्रकार का दाथित्व।
   2) ग्रामीण पत्रकारिता।
   3) द्विवेदीयुगीन पत्रकारिता।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए।
   1) सवौदय पत्रकारिता किसकी महत्वपूर्ण देन है।
   2) मनिराला की पत्रिका का नाम बताइए।
   3) प्रेस आयोग के अनुसार पत्रिका में विज्ञापन कित्ने प्रतिशत होना चाहिए।
   4) 'चन्दामामा' किस प्रकार की पत्रिका है?
   5) स्वतंत्र्यपूर्व पत्रकारिता में कौनसा भाव प्रमुख था?
   6) प्रेमचंद की पत्रिका का नाम लिखिए।

****

1000 M.J. COLLEGE, JALGAON 12/6/2016 9:25:10 AM
1000 M.J. COLLEGE, JALGAON 12/6/2016 9:25:10 AM

Seat Number

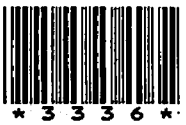

HI-2340

वैकल्पिक : B) लोकसाहित्य (230542) / C) हिंदी पत्रकारिता (230543)

P. Pages : 2

B) लोकसाहित्य (230542)

Time : Three Hours **Max. Marks : 60**

सूचनाएँ :-
1. प्रश्न पुस्तिकापर आसन क्रमांक के अलावा कुछ ना लिखे ।
2. ग्राफ या आकृती निकालने के लिए पेपर छुडाते वक्त काले स्याही का पेन अथवा काली एच्.बी. पेन्सील का हीं उपयोग किजिए।
3. अतिरिक्त पुरवनी नहिं दी जाएगी इस बात का विद्यार्थी ध्यान रखें ।
4. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
5. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. 'लोक' शब्द की व्याख्या देते हुए लोकसाहित्य के अध्ययन का महत्त्व समझाइए।

अथवा

लोकसाहित्य का किन्ही दो शास्त्रों से संबंध स्पष्ट कीजिए।

2. लोकगीत की परिभाषा देते हुए निर्माणतत्व की चर्चा कीजिए।

अथवा

लोकगाथा के प्रमुख लक्षणों पर प्रकाश डालिए।

3. लोककथा का स्वरूप बताते हुए उसके वर्गीकरण को समझाइए.

अथवा

लोकनाट्य की विशेषताएँ बताईए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के संक्षेप में उत्तर लिखिए।
   - क) लोकसाहित्य और शिष्टसाहित्य में होनेवाले वैषम्य पर प्रकाश डालिए।
   - ख) लोकगीतों का वर्गीकरण संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए।
   - ग) लोककथा में अभिप्रायों की चर्चा कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।
   - घ) गोरा- बादल.
   - च) तमाशा.
   - छ) मुहावरे.

****

100001 M.J. COLLEGE, JALGAON 12/6/2016 9:25:10 AM

C) हिंदी पत्रकारिता (230543)

Time : Three Hours **Max. Marks : 60**

सूचनाएँ :-
1. प्रश्न पुस्तिकापर आसन क्रमांक के अलावा कुछ ना लिखे ।
2. ग्राफ या आकृती निकालने के लिए पेपर छुडाते वक्त काले स्याही का पेन अथवा काली एच्.बी. पेन्सील का हीं उपयोग किजिए।
3. अतिरिक्त पुरवनी नहिं दी जाएगी इस बात का विद्यार्थी ध्यान रखें ।
4. कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
5. संभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. पत्रकारिता की परिभाषा, स्वरूप तथा विविध माध्यमों को बताइए।

अथवा

पत्रकार के लिए कौनसे गुण होने चाहिए।

2. स्वांतत्र्योत्तर युगीन पत्रकारिता के विकास पर प्रकाश डालिए।

अथवा

साहित्यिक पत्रकारिता केविकास को बताइए।

3. "आज की पत्रकारिता में मिशन भाव की अपेक्षा व्यावसायिकता अधिक है।" कथन की युक्तियुक्त चर्चा कीजिए।

अथवा

प्रेस आयोग ने पत्रकार के सेवा की किंन शर्तों का प्रावधान बताया है।

4. निम्नलिखित में से किन्ही दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।
   1) पत्रकार का दाथित्व।
   2) ग्रामीण पत्रकारिता।
   3) द्विवेदीयुगीन पत्रकारिता।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए।
   1) सर्वोच्च पत्रकारिता किसकी महत्वपूर्ण देन है।
   2) मनिराला की पत्रिका का नाम बताइए।
   3) प्रेस आयोग के अनुसार पत्रिका में विज्ञापन कित्ने प्रतिशत होना चाहिए।
   4) 'चन्दामामा' किस प्रकार की पत्रिका है?
   5) स्वतंत्रतापूर्व पत्रकारिता में कौनसा भाव प्रमुख था?
   6) प्रेमचंद की पत्रिका का नाम लिखिए।

****

10000 M.J. COLLEGE, JALGAON 12/6/2016 9:25:10 AM
10000 M.J. COLLEGE, JALGAON 12/6/2016 9:25:10 AM

Seat Number

* 3 3 3 4 *

HI-1140 : वैकल्पिक

A) विशेष साहित्यकार - सुरदास (110541) /
B) विशेष विधा - आत्मकथा (110542) /
C) अनुसंधान प्रविधी और प्रक्रिया (110543)

P. Pages : 4

A) विशेष साहित्यकार - सुरदास (110541)

Time : Three Hours **Max. Marks : 60**

सूचनाएँ :-

1. प्रश्न पुस्तिकापर आसन क्रमांक के अलावा कुछ ना लिखे ।
2. ग्राफ या आकृती निकालने के लिए पेपर छुडाते वक्त काले स्याही का पेन अथवा काली एच्.बी. पेन्सील का हीं उपयोग किजिए ।
3. अतिरिक्त पुरवनी नहिं दी जाएगी इस बात का विद्यार्थी ध्यान रखें ।
4. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
5. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

1. "सूरदास अपच्छाप कवियों में सर्वश्रेष्ठ हैं" कथन की व्याख्या किजिए।

अथवा

सूर के भावपक्ष को समझाइए।

2. सुरदास का साहित्यिक परिचय दीजिए।

अथवा

सूरके प्रकृति - चित्रण पर प्रकाश डालिए।

3. "वात्सल्य वर्णन में सूर अद्वितीय हैं" कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

सूरदास के संयोग श्रृंगार को स्पष्ट कीजिए।

100001 M.J. COLLEGE, JALGAON 12/5/2016 8:55:15 AM

4. निम्नलिखित में से **किन्ही दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए।

1) सूर का विरह वर्णन।

2) सूर काव्य का कला-पक्ष।

3) सूर की भक्ति भावना।

5. निम्नलिखित अवतरणों में से **किन्ही दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

अ) हमैं नंदनंदन मोल लिए।
जम के फंद काटि मुकराए, अभय अजाद किये।
भाल-तिलक स्त्रवननि तुलसीदल मेटे अंक विये।
मूँडयौं मूँड कंठ बनमाला मुद्रा-चक्र दिये।
सब कोउ कहत गुलाम स्याम कौ सुनत सिरात दिये।
सूरदास कौ और बड़ौ, सुख जूठनि खाइ जिये।

आ) अब घर काहू कै जनि जाहू।
तुम्हरै आजु कमी काहे की कत तुम अनतहि खाहु।
वरै जेवरी जिहिं तुम बाँधे, परै हाथ भहराइ।
नंद मोहि आतही त्रासत है बाँधै कुंवर कन्हाहू।
रोग जाउ मेरे हलधर के छोरत हो तबस्थाम
सूरदास प्रभु खात फिरौ जनि, माखन -दधि तुव धाम।

इ) निर्गुन कौन देस को बासी?
मधुकर। हँसि समुझाय, सौंह दै बूझति साँच न हाँसी।
को है जनक जननि को कहियत कौन नारि को दासी?
कैसो बरन, भेस है कैसो केहि रस कै अभिलासी।
पावैगो पुनि कियो आपनो जो रे। कहैगो गाँसी ।
सुनत मौन है रह्यो ठग्यो सो सूर सबै मति नासी।

****

100001 M.J. COLLEGE, JALGAON 12/5/2016 8:50:15 AM

B) विशेष विधा - आत्मकथा (110542)

Time : Three Hours **Max. Marks : 60**

सूचनाएँ :-

1. प्रश्न पुस्तिकापर आसन क्रमांक के अलावा कुछ ना लिखे ।
2. ग्राफ या आकृती निकालने के लिए पेपर छुडाते वक्त काले स्याही का पेन अथवा काली एच्.बी. पेन्सील का हीं उपयोग किजिए ।
3. अतिरिक्त पुरवनी नहिं दी जाएगी इस बात का विद्यार्थी ध्यान रखें ।
4. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
5. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

1. आत्मकथा का स्वरुप स्पष्ट करते हुए उसके तत्वो को निरुपित कीजिए।

अथवा

हिंदी आत्मकथा साहित्य का विकासक्रम बताइए।

2. प्रभा खेतान द्वारा निरुपित तारी विमर्श को स्पष्ट किजिए।

अथवा

'अन्या से अनत्या' शीर्षक की सार्थकता सिध्द कीजिए।

3. "एक काहनी यह भी" में तत्कालीन राजनीति का बेबाक चित्रण है" स्पष्ट किजिए।

अथवा

आत्मकथा के तत्वों के आधार पर 'एक कहानी यह भी' की समीक्षा कीजिए।

4. कस्तूरी और मैत्रेयी के द्वन्द्व का मनोवैज्ञानिक चित्रण किजिए।

अथवा

'मैत्रेयी पुष्पा ने कस्तूरी कुण्डल बसै में अपनी जीवन गाथा प्रस्तुत की है।' सोदाहरण निरुपण कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्ही दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

अ) प्रभा खेतान का व्यावसायिक संघर्ष.

आ) मन्नू भंडारी का महाविद्यालयीन जीवन

इ) 'कस्तूरी कुण्डल बसै' के पुरुष पात्र

****

M.J. COLLEGE, JALGAON 12/5/2016 8:50:10 AM 100001

C) अनुसंधान प्रविधी और प्रक्रिया (110543)

Time : Three Hours **Max. Marks : 60**

सूचनाएँ :-

1. प्रश्न पुस्तिकापर आसन क्रमांक के अलावा कुछ ना लिखे ।
2. ग्राफ या आकृती निकालने के लिए पेपर छुडाते वक्त काले स्याही का पेन अथवा काली एच्.बी. पेन्सील का हीं उपयोग किजिए ।
3. अतिरिक्त पुरवनी नहिं दी जाएगी इस बात का विद्यार्थी ध्यान रखें ।
4. कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
5. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

1. अनुसंधान की प्रमुख परिभाषाएँ देकर उनके आशय को स्पष्ट किजिए।

अथवा

अनुसंधान हेतू प्रयुक्त विभिन्न शब्दों की व्याख्या प्रस्तुत कीजिए।

2. साहित्यिक अनुसंधान के विभिन्न प्रकारों की चर्चा कीजिए।

अथवा

साहित्येतर अनुसंधान का महत्व विशद किजिए।

3. अनुसंधान की प्रक्रिया में विषय चयन एवं सामग्री संकलन का महत्व प्रतिपादित किजिए।

अथवा

प्रबंध लेखन प्रणाली की सम्यक विवेचना प्रस्तुत कीजिए।

4. अनुसंधानकर्ता के गुणौं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

सामग्री के विभिन्न प्रकारों का परिचय दिजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्ही दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।
   i) निर्देशक की योग्यता
   ii) मौखिकी
   iii) सामग्री का वर्गीकरण

****

100001 M.J. COLLEGE, JALGAON 12/5/2016 8:50:10 AM